

या अकड़ जाना 4. सिंहासन 5. बड़ी चौकी मुहा.  
तख्त का तख्ता हो जाना- बरबाद हो जाना।

**तख्त ताऊस** पुं. (फा.) एक प्रसिद्ध सिंहासन जिसे  
शाहजहाँ ने बनवाया था और 1739 में नादिर  
शाह इसे लूटकर ले गया था।

**तख्तनशीनी** पुं. (फा.) राज्यारोहण, राज्याभिषेक।

**तख्तपोश** पुं. (फा.) तख्त पर बिछाने की चादर।

**तख्तापुल** पुं. (फा.) लकड़ी के तख्त का पुल, जिसे  
किले की खंदक पर बनाया जाता था।

**तख्ती** स्त्री. (फा.) 1. लकड़ी या धातु का चौकोर  
टुकड़ा 2. काठ की पटरी जिस पर बालक लिखने  
का अभ्यास करते हैं।

**तख्तोताज** पुं. (फा.) शासन प्रबंध, राज्य भार।

**तगड़ा** वि. (देश.) 1. मजबूत 2. हट्टा कट्टा 3.  
बलवान, ताकतवर बिलो. कमजोर।

**तगड़ी** स्त्री. (देश.) 1. मोटी-ताजी 2. शक्तिशालिनी  
3. कमर का एक आभूषण, करधनी, मेखला।

**तगढा** पुं. (अर.) दे. तकाजा।

**तगण** पुं. (तत्.) तीन वर्णों का एक छंद जिसमें  
पहले दो गुरु और तब एक लघु वर्ण होता है।

**तगदमा** पुं. (अर.) अंदाज, अनुमान, तखमीना दे.  
तकदमा, तखमीना।

**तगना** अ.क्रि. (अर.) तागा जाना।

**तगमा** पुं. (अर.) दे. तमगा।

**तगर** पुं. (तत्.) 1. एक वृक्ष जिसकी लकड़ी  
सुगंधित होती है, मदन वृक्ष 2. एक औषध।

**तगला** पुं. (देश.) 1. तकला 2. जुलाहों का औजार।

**तगा** पुं. (देश.) 1. तागा 2. ब्राह्मणों की एक जाति।

**तगाई** स्त्री. (देश.) 1. तागने का काम या भाव 2.  
तागने की मजदूरी।

**तगाड़** पुं. (देश.) 1. गारा तथा सुरखी-चूना मिलाने  
का हौज 2. बड़ा तसला।

**तगाना** स.क्रि. (देश.) तागने का काम कराना।

**तगियाना** स.क्रि. (देश.) 1. तागे से सीना या  
बखिया करना 2. पिरोना 3. रजाई आदि में तागा  
डालना।

**तज** पुं. (तद्.) दारचीनी की जाति का एक पेड़  
जिसके पत्तों को 'तेजपत्ता' कहते हैं, इसकी  
छाल वैद्यक में काम आती है पर्या. मुख शोधन,  
बहुगंध, कामवल्लभ।

**तजकिरा** पुं. (अर.) 1. जिक्र, चर्चा 2. बातचीत,  
वार्तालाप 3. प्रसिद्धि, ख्याति।

**तजदीद** स्त्री. (अर.) नया करना, नवीनीकरण (पट्टे  
आदि का)।

**तजना** स.क्रि. (तत्.) त्यागना, छोड़ना।

**तजरबाकार** पुं. (अर.) 1. उन्हें जीवन का काफी  
तजरबा है, अनुभवी 2. मैंने जो कहा उसका  
तजरबा किया है।

**तजरबा** पुं. (अर.) 1. अनुभव 2. परखा।

**तजरुबा** पुं. (अर.) दे. तजरबा।

**तजवीज** स्त्री. (अर.) 1. राय, सम्मति 2. निर्णय,  
फैसला 3. विचार 4. प्रबंध, इंतजाम।

**तजेब** स्त्री. (फा.) एक प्रकार का महीन मलमल।

**तज्जन्य** वि. (तत्.) उससे उत्पन्न।

**तज्ञ** वि. (तत्.) 1. तत्व का जानकार, तत्त्वज्ञ 2. ज्ञानी।

**तज्वी** स्त्री. (तत्.) हिंगुपत्री।

**तटक** पुं. (तद्.) कान का एक आभूषण, कर्ण फूल।

**तट** पुं. (तत्.) 1. क्षेत्र, प्रदेश 2. किनारा 3. शिव,  
महादेव 4. नदी किनारे की भूमि।

**तटक** पुं. (तद्.) नदी, तालाब आदि का किनारा।

**तटका** वि. (देश.) ताजा।

**तटग** पुं. (तत्.) तड़ाग।

**तटनी** स्त्री. (तत्.) नदी, सरिता।

**तटवर्ती** वि. (तत्.) 1. तट पर रहने वाली 2. तट पर  
स्थित।

**तटस्थ** वि. (तत्.) 1. निरपेक्ष, उदासीन 2. तट पर  
रहने वाला।